بسم الله الرحمن الرحيم

जुम्मा खुतुबा

विषय:-

" उपवास की प्रज्ञता और शिक्षाएँ (सवाम / रोज़ा) "

हज़रत मुहीउद्दीन अल ख़लीफ़तुल्लाह मुनीर अहमद अज़ीम (अ स)

25 May 2018 (09 Ramadan 1439 AH)

अनुवादक : फातिमा जास्मिन सलीम
EMAIL:fjasmine14@gmail.com

अपने सभी चेलों सहित सभी नए चेलों , (और दुनिया भर के सभी मुसलमानों) को शांति का अभिवादन करने के बाद हज़रत ख़लीफ़तुल्लाह (अ त ब अ) ने तशहुद ,तौज, सूरह अल फातिहा पढ़ा और फिर उन्होंने अपना उपदेश दिया : **" उपवास की प्रज्ञता और शिक्षाएँ (सवाम / रोज़ा) "**

रमज़ान के इस मुबारक महीने में, हमारे लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है की हमें इस महीने से प्रज्ञता और शिक्षाओं को खींचने की जरूरत है, ताकि ये आशीर्वादें रमज़ान के महीने के बाद भी जारी रहें। यहाँ प्रज्ञता और महत्वपूर्ण शिक्षाएँ सभी स्तरों पर हैं, लेकिन दुर्भाग्य से कई मुस्लमान इस महीने को महत्व नहीं देते हैं और इसे इसका मूल्य नहीं देते, जिसका यह हकदार है, जबकि यह हमारे लिए एक आशीर्वाद है (अपनी भलाई के लिए) अपने भौतिक, नैतिक, आध्यात्मिक और / या सांसारिक पहलू। यह मुझे एक हदीस की याद दिलाता है जहाँ एक साथी (सहाबी) ने बयान किया कि अल्लाह के दूत (स अ व स) ने कहा, "ऐसा मत करो कि आपका उपवास का दिन और जिस दिन आप उपवास नहीं करते हैं समान हो जाये।" [जैसे कि आपके लिए एक सामान्य कार्य है, कोई भी लाभ नहीं पा रहे]।

जिसका अर्थ है, कि आपका व्यवहार, दृष्टिकोण और दिखावा समान होना चाहिए, चाहे आप उपवास करें या न करें, और जो बुरे काम आप करते थे, जब आप उपवास में नहीं थे, जैसा कि, टीवी देखना, चुगली करना, जासूसी करना, लड़ाई करना, शपथ लेना (कलुषित शब्द कहना), बहुत बातें करना , निर्धारित समय पर प्रार्थना न करना, कुरान न पढ़ना, ज़िक्रुल्लाह नहीं करना (यानी अल्लाह को याद नहीं करना), कंप्यूटर गेम्स खेलना या मौके का गेम्स खेलना / जुआ आदि | खैर ,रमज़ान के महीने में उस सब से दूर हो जाना चाहिए और उन्हें अच्छे कामों के साथ बदलना होगा, जो अल्लाह को प्रसन्न करेंगे। अल्लाह को अक्सर याद रखें, पवित्र कुरान पढ़ें, अतिरिक्त प्रार्थना करें, गरीब की मदद करें, अपनी ज़ुबान को नियंत्रित करें ताकि बकवास / कलुषित शब्दों को न कहें, और झूठ न बोला करें, अन्यथा अल्लाह (स व त) द्वारा आपके उपवास को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

अल्लाह (स व त) कुरान में कहता है:

"रमज़ान का महीना (वह है) जिसमें कुरान का खुलासा किया गया था, लोगों के लिए एक मार्गदर्शन औरमार्गदर्शन के स्पष्ट सबूत और मापदण्ड। इसलिए जिस किसी ने भी * महीने के नए चाँद को देखा है,उसे उपवास कर लेने दो ! "(अल बकरा 2: 186)।

अल्लाह के दूत (स अ व स) ने कहा: "इस्लाम पांच (स्तंभों) पर बना है: गवाही देना की अल्लाह के सिवा कोई ईश्वर नहीं है और मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं, प्रार्थना स्थापित करना, जकात, हज अदा करना और रमज़ान का उपवास।" (बुखारी, मुस्लिम)।

और उन्होंने (स अ व स) ने यह भी कहा: "रमज़ान का महीना आ गया है, एक धन्य महीना जिसमे अल्लाह ने आपको उपवास करने के लिए बाध्य किया है। इसमें जन्नत के द्वार खोले जाते हैं, और इसमें दोज़क के द्वार बंद कर दिए जाते हैं, और इसमें शैतानों को ज़ंजीरों से जकड़ा होता हैं, और इसमें एक रात है जो एक हजार महीने से बेहतर है। इस प्रकार, जो कोई भी उत्तम से वंचित है सही मायने में वंचित है।" (अन -नसाई)

उपवास हमें धर्मनिष्ठता हासिल करने में मदद करता है, जैसा अल्लाह हमें कुरान में आदेश देता है: **"ऐ ईमान लानेवालो! तुमपर रोज़े अनिवार्य किए गए, जिस प्रकार तुमसे पहले के लोगों पर किए गए थे, ताकि तुम डर रखनेवाले बन जाओ।"** (अल-बकरा 2: 184)।

जब अराजकता (फितना) रूप लेती है, तो इसे धर्मनिष्टता (तक्वा) के साथ बुझा दें। तक्वा क्या है? यह अल्लाह के लिए अवज्ञा को त्यागना है, उसके डर (अल्लाह) से। यह सबसे अच्छा अल्लाह के प्रति धर्मनिष्टता की सबसे उत्तम परिभाषा (तक्वा) है।

प्रत्येक कार्य के लिए एक शुरुआत और एक लक्ष्य होना चाहिए। और एक कार्य को आज्ञाकारिता का कार्य या अल्लाह के करीब नहीं माना जाएगा, अगर यह शुद्ध ईमान (श्रद्धा) और अल्लाह पर भरोसे द्वारा शुरू नहीं किया गया। हमारे कार्यों को हमारी आदतों या इच्छाओं द्वारा निर्देशित नहीं किया जाना चाहिए, या सम्मान या प्रशंसा प्राप्त करने के इरादे से, लेकिन इसके विपरीत, अल्लाह को खुश करने और उससे अपने पुरस्कार प्राप्त करने के लिए उन्हें परिपूर्ण होना चाहिए। उपवास धर्मनिष्ठता (तक्वा) को प्राप्त करने का एक तरीका है , क्योंकि यह हमें उन पापों को करने से रोकता है जो हमने प्रयुक्त किए, जब हम अनभिज्ञ थे और अब तक है। इसीलिए अल्लाह के रसूल (स अ व स) ने कहा: "उपवास एक ढाल है जिसके साथ एक सेवक खुद को आग से बचाता है।" (अहमद)

हमें उपवास के प्रत्येक दिन के बाद खुद से पूछना चाहिए: क्या इस व्रत ने मुझे अल्लाह से भय को प्राप्त करने के लिए तैयार किया है और उसके लिए अधिक आज्ञाकारी बनना? पापों और अवज्ञा से हमें दूर होने में क्या इसने हमारी मदद की है ?

रमज़ान के मुबारक महीने में, हमें अल्लाह की निकटता की तलाश करनी चाहिए, क्योंकि हमें अल्लाह (स व त) के करीब होना चाहिए ,और हम अनिवार्य कृत्यों का प्रदर्शन करके अल्लाह तक पहुँचने में सक्षम होंगे, और कुरान की सस्वर पाठ करने से भी और और इसके अर्थ पर विचारना करना, अच्छाई बढ़ाना और अधिक परोपकार करना, और (बिना भूले) अल्लाह से अनुरोध / प्रार्थना / दुवाएँ करना। इस धन्य महीने के दौरान हमारे भक्ति (इबादत) के प्रदर्शन को अधिक संख्या में संपन्न किया जाना चाहिए , अन्य महीनों की अवधि की तुलना से ज़्यादा है, क्योंकि यह रमज़ान के महीने के लिए है, जो अल्लाह ने एक श्रेष्ठता को परिभाषित किया है और उसमें अधिक मात्रा में पुरस्कार डाल दिए गए हैं। प्रत्येक **लैला-तुल-क़द्र** (बल की रात्रि-चर) - रात जो एक हजार महीनों से बेहतर है - आध्यात्मिक समारोहों में जाएँ और ऐसे कार्यों में प्रयास करें जो आपके दिल अल्लाह की निकटता प्राप्त करने जैसा और उनकी क्षमा मांगने जैसा और उसकी दया प्राप्त करने जैसा बना देगा।

इसके अलावा इस (धन्य) महीने में अल्लाह के करीब आने का शानदार तरीका इतिकाफ करना है (आध्यात्मिक शरण)। अल्लाह ने भी हमारे लिए इतिकाफ निर्धारित किया है, इस उद्देश्य के साथ की हमारा दिल अल्लाह के विचार से पूरी तरह संभंधित होगा, की हम अकेले उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं, निर्माण पर नहीं। हमारा दिल केवल अल्लाह के कब्ज़े में होना चाहिए, जहाँ यह अल्लाह के प्यार के साथ भरा हुआ है। हम उसी (अल्लाह) को याद करते हैं, हम उसकी ओर मूड जाते हैं ताकि वह उन आशंकाओं की और चिंताओं की जगह ले, जो हमारे दिल को दुःखित कर चुके थे, और इस प्रकार हम उस सभी से लड़ते है। तो हमारे सभी विचार अल्लाह के लिए बन जाते हैं, और हमारा मन उसके स्मरण में घिरा हुआ है और हमें बस यह जानने की चिंता है कि हम उसके करीब कैसे पहुँच सकते हैं, और सब से अधिक उसे बनाओ की हम उसे सब से अधिक प्यार कर सकें, किसी भी चीज या अन्य किसी से भी ज्यादा।

उपवास सब्र (धैर्य) हासिल करने में मदद करता है। अल्लाह (स व त) ने सब्र (धैर्य) का उल्लेख कुरान में लगभग सौ बार किया है। धैर्य का महीना, रमज़ान का महीना है। उपवास धैर्य का पर्याय है क्योंकि यह हमें खाने, पीने, वैवाहिक संबंध बनाने और यौन इच्छाओं से रोकता है। उपवास स्वयं को नियंत्रित करने और धैर्य प्राप्त करने का एक सीखने का तरीका है। धैर्य के साथ अल्लाह की इबादत करने का संकल्प, हम ईमानदारी के साथ अपने आपको मजबूत कर सकते हैं, और हमारे जीवन को नियंत्रित करने के लिए भी कर सकते हैं। धैर्य के साथ हम अपने गुस्से को रोक सकते हैं ताकि हमारा उपवास खराब न हो और जहाँ अल्लाह अस्वीकार कर सकता है। जो हमें क्रोध के लिए उकसाते हैं, हमें धैर्य (एक सुंदर सब्र)रखना चाहिए, क्योंकि हम इसके लिए एक इनाम प्राप्त करेंगे। (इंशा अल्लाह)।

इस महीने में, हमें आज्ञाकारिता के कार्य को प्रदर्शित करने के लिए दृढ़ संकल्प विकसित करने का प्रयास करना चाहिए, खुद को धैर्य के शस्त्रों से सज्जित करना है, अल्लाह के दूत (स अ व स) के शब्दों में निश्चितता प्राप्त करना है। वहाँ पवित्र पैगंबर (स अ व स) की एक कहावत है जो इस प्रकार है: “और जानते हैं कि जीत धैर्य के साथ आती है, यातना से राहत, और विपत्ति के साथ सुख शांति मिलती है।” (अहमद)।

इसलिए, धैर्य के साथ सशस्त्र होकर हमें अपनी आत्मा को नियंत्रित करना चाहिए, पेटूपन और संकीर्ण-हृदयता से नियंत्रित करना चाहिए और हमारे धन में कुछ ज़कात के रूप में भी देना चाहिए। धैर्य के साथ हमारी आत्मा के रोग को दबा सकते हैं जो इस दुनिया के आकर्षण से आकर्षित हुए हैं। इंशा-अल्लाह। आशा है अल्लाह (स व त) इस धन्य महीने के दौरान हमारी मदद करें और अगर हमसे कभी गलती हो जाए तो हमें माफ़ कर दे। आमीन, सुम्मा आमीन, या रब्बुल आलमीन ।

घोषणा और चेतावनी:

10 मई, 2018 से मैयट (Mayotte) भूकंप से जब्त भूकंप के झटके थे - एक ही दिन में एक के बाद एक (दूसरा) और यह कई दिनों तक चला। सबसे बड़ा मई 15, 2018 को भूकंप आया था, एक परिमाण 5.8 रिक्टर स्केल पर था, और यह घटना 4.7 परिमाण पर कल 24 मई, 2018, तक जारी रही [खलीफातुल्लाह (अ त ब अ) ने यह भी कहा कि यह सूचना केवल कल तक है और यह भूकंप कायम है। दरअसल, आज सुबह से (25 मई, 2018) वहाँ 5.3 की परिमाण के भूकंप के साथ, 4 भूकंप 09.37 तक हो गए हैं]।

मैयट (Mayotte), चाहे ग्रांडे टेरे और पेटाइट टेरे हो, ये सभी झटकों से पूरी तरह से प्रभावित थे; और ऐसे स्थान हैं जिन इलाकों में ये भूकंप आए उन्होंने विशेष रूप से अधिक थरथराहट महसूस किया है। यह मॉरीशस और मैयट में अहमदिया मुस्लिम समुदाय के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है की यह विश्वास दिलाने के लिए कि अहमदियत केवल मैयट में शुरू हुई थी, महोराइस के धर्म-परिवर्तन से, जिसने MTA के माध्यम से अहमदियत को स्वीकार किया और वह इसके सभी ऐतिहासिक "सर्वप्रथम" वहाँ से शुरू हुआ, उनके अपने मैयट के एक धर्म-प्रचारकों के माध्यम से, जो अपने झुंड को देखने के बजाय - लोग जो उनके अंतर्गत जिम्मेदार थे - मैयट में जमात उल साहिह अल इस्लाम के लिए विकार पैदा करना चाहते है।

वे उस समय मेरे कार्यों को नहीं पहचानते थे, जब मैंने अहमदियत (जमात अहमदिया) को मैयट में 1997 में उसकी स्थापना की थी, लेकिन वे केवल एक संपत्ति का दावा कर रहे हैं जो उनका नहीं है। वे एक ऐसी संपत्ति की तलाश में हैं, जो 20 साल से अधिक पुरानी हो चुकी है और फिर वे कहते हैं कि अहमदियत सिर्फ 2015 में मैयट में स्थापित किया गया है, और उनके बयान में, वे यहाँ तक कहते हैं कि वे मैयट में एक परिवार से मिलने गए थे, जिसने 20 साल पहले वहाँ अहमदियत स्वीकार कर ली थी। लेकिन जिन्होंने कड़ी मेहनत की थी, की यह परिवार अहमदियत को स्वीकारे? उन्हें अहमदियत का संदेश कैसे मिला होगा? क्या झूठ है !

मैंने वर्तमान के अमीर मूसा ताउजू के सामने एक आमने सामने की चुनौती दी है, पूर्व (तथा-कथित) अमीर अमीन जवाहिर, उनकी "महान" धर्म-प्रचारक उसामा उम्र जोया और उनके ख़लीफ़ा सहित। मैं एक आमना सामना चाहता हूं, जहाँ पूरा जमात अहमदिया (मॉरीशस से) मौजूद हो, क्योंकि यह दुर्भाग्यपूर्ण है की कई अहमदी मुसलमानों को जो इस बात से अनजान हैं, कि उनके प्रधान क्या षडयंत्रकारी काम कर रहे है। अपने स्थान (उस भवन / क्षेत्र को चुनें जो आप चाहते हैं क्योंकि जमात अहमदिया को एक

सच्चाई के रूप में जानना चाहिए) क्योंकि वहां बहुत सारे झूठ हैं, जो वे दुनिया को प्रेरित करने के लिए कहते हैं, विशेष रूप से दुनिया भर के अहमदि गलतफैमि में है, बनावट कर रहे है, की जैसे मॉरीशस में कोई समस्या नहीं है, लेकिन जब वास्तव में, वे बहिष्कार को निष्पादित करते हैं - एक बलिदान की महान ईद के दौरान मस्जिद को बंद करवाते (ईश्वरीय घोषणापत्र की शुरुआत में) है, सभी अहमदियों को बोली ना लगाने और सलाम (इस्लाम में शांति का अभिवादन) का जवाब ना देने का निर्देश देते हुए और हमें पारिवारिक उत्सव के लिए आमंत्रित नहीं करते है (इस प्रकार **परिश्रम (मेरी तनख्वाह) से और मेरी एकमुश्त धनराशि से भी मुझे वंचित रखा !!!** जब मैंने, मेरे शुल्क के नेतृत्व का दावा किया, वे अब दिखावा करते हैं **कि दस साल से अधिक समय बीत चुका है** और वे अब कुछ भी नहीं कर सकते है... आज वे सोचते हैं कि वे सच्चाई में इसके शिकार हैं जबकी वे सच में खुद बड़े संकटमोचक हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जमात अहमदिया के पास बहुत पैसा है, लेकिन इसके बावजूद, मैयट में वे एक केंद्र और एक मस्जिद बनाने के लिए भूमि का एक टुकड़ा खरीदने में असमर्थ हैं। वे अपनी नाक उन मामलों में चिपकाते हैं जिसमे उनका कोई वास्ता नहीं हैं। वे जमात उल साहिह अल इस्लाम के मामलों में दिखा रहे हैं और विकार पैदा करने का प्रयास कर रहें है। अच्छा ! मैं उन्हें कहता हूँ, की अराजकता के जासूसों के रूप में कार्य करना जारी रखें। अल्लाह उसके काम का हिस्सा कर रहा है। आप मैयट में और भी अधिक आपदाएँ देखेंगे, और वहाँ अन्य विपत्तियाँ होंगी, जो आप पर बीतेंगीं, आपके अपने व्यक्तियों पर, यदि आप कहर करना नहीं छोड़ेंगे।

अपना काम शांतिपूर्वक (लोगों को वादा किए गए मसीह की सच्चाई से अवगत करने के लिए) करो ... आप लोगों को वादा किए गए मसीह हज़रत अहमद (अ.स.) की सत्यता की पहचान दिलाने के लिए मैयट गए थे, क्या यह सच नहीं है? शांतिपूर्वक अपना काम करो! आप क्यों दूसरों [इस मामले में जमात उल साहिह अल इस्लाम] के लिए समस्याएँ पैदा करना चाहते है !!!

> **"वे कहेंगे हाँ, तब एक घोषणा करने वाला उनके मध्य घोषणा करेगा की अत्याचारियों पर अल्लाह की लानत हो। जो अल्लाह के मार्ग से रोकते हैं और उसे टेढ़ा (देखना) चाहते हैं और वे परलोक का इंकार करने वाले हैं। "**(अल-अर्राफ 7: 45-46)।

यह आपके लिए एक चेतावनी है [यानी मैयट में अहमदिया धर्म-प्रचारक और उन सभी को जो उसे निर्देश दे रहे है और उसका समर्थन कर रहे है] सावधान रहें, जैसा कि आप कहते हैं की मैंने आपको चेतावनी नहीं दी। अल्लाह वो करेगा जो उसे करना है। फिर अल्लाह और उसके रसूल को दोष मत देना ! अल्लाह का क्रोध प्रबल हो जाएगा। अहमदियों ने मैयट में अभी (हाल ही में) विश्वास लाये है (वादा किए गए मसीह हज़रत मिर्ज़ा गुलाम अहमद (अ.स.) की सत्यता में), माशाअल्लाह, अलहमदुलिल्लाह , लेकिन सावधान रहें, अच्छा काम करें, वादा किए गए मसीह (अ.स.) के सच्चे ईमान वाले बनें और इंशा-अल्लाह, अगर आप सच्चे दिल से ईमानदार हो तो अल्लाह आपके दिल को उसके खलीफातुल्लाह को भी पहचानने के लिए मार्गदर्शन करेगा, थोड़ा-थोड़ा करके ... एक छोटा कदम महान भविष्य की ओर ! इंशा अल्लाह

मैं मैयट में अपने शिष्यों से कहता हूँ, चिंता मत करो, अवैध धमकियों से डरो मत, जो खुद को मुसलमान कहते है, लेकिन जो इस तरह के कार्य नहीं करते हैं। अपना काम शांतिपूर्वक करो। इंशा-अल्लाह, अल्लाह अपना काम करेगा। एक सुंदर धैर्य रखें, और आप एक सुंदर इनाम प्राप्त करेंगे।

इंशा-अल्लाह, आमीन।